NP – 034

I Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, May 2022
(NEP – 2021-22 and Onwards)
HINDI
Nibandh, Alekhan Aur Sankshepan

Time : 2½ Hours

Max. Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) जीवन का उद्देश्य क्या है ?
2) निरीह जानवर कौन-सा है ?
3) अलोपी महीने भर में कितने रुपये कमा लेता था ?
4) व्यंग्य को मुहावरे में क्या कहते है ?
5) विशाला नगरी किसके द्वारा स्थापित की गई ?
6) साहित्य किसका आधार है ?
7) अहंकार को कौन पालता है ?
8) मृत्यु का प्रलोभन किसकी परीक्षा है ?
9) ''पीछे मत फेंकिये'' निबंध के रचनाकार का नाम लिखिए।
10) मित्र-दोस्त से बात करते समय घड़ी का मुँह किस तरफ कर देना चाहिए ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) इतिहास भविष्य के निर्माण की, मनुष्य की दुर्दांत विजिगीषा की, अस्थिरता के पोषक तत्वों को उन्मूलन करने की लालस है।
2) साहित्य का विकास मनोभावों से होता है।
3) संसार को प्रपंच कहना, एक ही सत्ता का अस्तित्व देखना, एक ही भाव के लिए सबको अभिमुख और आकुल देखना-सब भ्रम जाल है।

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए। **(1×16=16)**

1) 'अलोपी' निबंध का सारांश लिखकर विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2) 'जीवन में साहित्य का स्थान' निबंध के आधार पर जीवन और साहित्य के संबंध का परिचय दीजिए।

P.T.O.

IV. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए । (1×5=5)

1) दिल्ली के बादशाह का वजीर ।

2) वज्जी लोगों के लिए बुद्ध के सात मंत्र ।

V. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2×4=8)

1) टिप्पण लेखन की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए ।

2) आलेखन की विशेषताओं पर एक लेख लिखिए ।

3) अपने क्षेत्र में आयोजित रक्त-दान शिबिर पर एक प्रतिवेदन/रिपोर्ट तैयार कीजिए ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखते हुए **एक** तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए । (1×7=7)

सामान्यत: संस्कृति और सभ्यता को एक ही मान लिया जाता है दोनों में नि:संदेह घनिष्ठ संबंध है । उनकी एक दूसरे पर प्रतिक्रिया होती है । सभ्यता भौतिक उन्नति का द्योतक है । दूसरी ओर सुसंस्कृत मनुष्य की सभ्यता दूसरे से भिन्न है । सभ्यता मनुष्य की भौतिक आवश्यकताएँ पूर्ण करने के यत्न का परिणाम है, जबकि संस्कृति बौद्धिक उन्नति के प्रयत्नों से विकसित होती है । जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, संस्कृति मनुष्य के मन और आत्मा के सुसंस्कार या परिष्कार को कहते है । अतएव वह अन्तर्मुखी है । वह रुचि, दृष्टिकोण और आचार के द्वारा व्यक्त होती है । दूसरी ओर सभ्यता बहिर्मुखी और भौतिक है । वह उन भौतिक आयोजनों और साजसज्जा से संबंध रखती है । जिसको मनुष्य ने प्रकृति की शक्तियों पर विजय पाने के लिए और इस प्रकार मानव जीवन को सुविधापूर्ण तथा सुखमय बनाने के लिए विकसित किया है । उसमें आदिम मनुष्य के पत्थर के औजारों से लेकर आधुनिक स्पुतनिक तक शामिल है ।